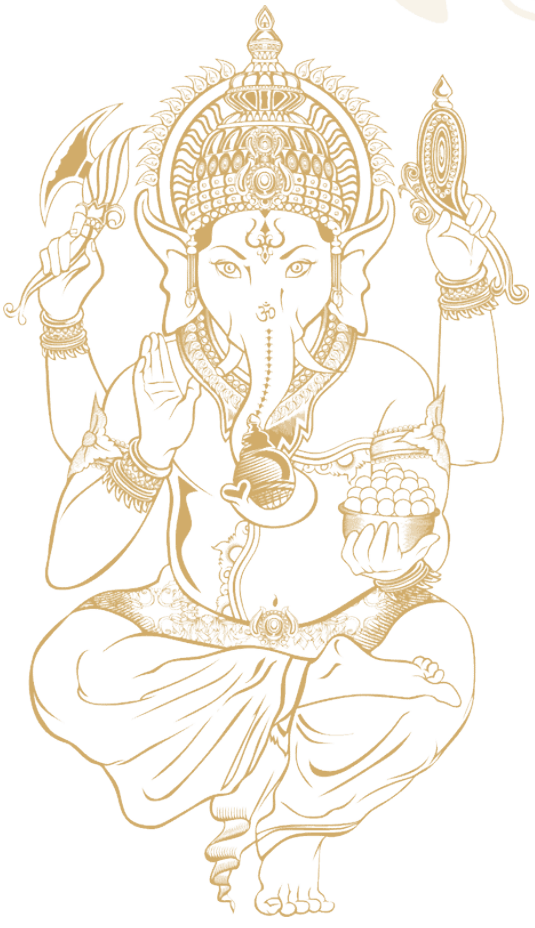

Mr.Tanmay

Ms.Kriti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121002301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121002301 Date: 21/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/12/2001	जन्म तिथि	01/04/2001
शनि-रविवार	दिन	रविवार
घंटे 04:35:00	जन्म समय	14:35:00 घंटे
घटी 53:49:18	जन्म समय(घटी)	20:34:51 घटी
India	देश	India
Tal	स्थान	Thandla
23:43:00 उत्तर	अक्षांश	23:00:00 उत्तर
75:23:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:28	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:16	सूर्योदय	06:24:21
17:44:26	सूर्यास्त	18:46:46
23:52:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:11

तुला	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
धनु	राशि	मिथुन
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
मूल	नक्षत्र	आर्द्रा
केतु	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	4
वृद्धि	योग	शोभन
बालव	करण	विष्टि
भी-भीमा	जन्म नामाक्षर	छ-छवि
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	श्वान
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	21:26:47
सूर्य	मीन	17:49:54
चंद्र	मिथु	16:53:46
मंगल	वृश्चि	26:56:22
बुध	कुंभ	27:51:01
गुरु	वृष	13:48:41
शुक्र व	मीन	14:16:50
शनि	वृष	03:57:10
राहु व	मिथु	16:51:38
केतु व	धनु	16:51:38
हर्ष	मक	29:38:23
नेप	मक	14:29:00
प्लूटो व	वृश्चि	21:21:09

विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 0मा 14दि
सूर्य
31/12/2021
31/12/2027

सूर्य	19/04/2022
चन्द्र	19/10/2022
मंगल	24/02/2023
राहु	18/01/2024
गुरु	06/11/2024
शनि	19/10/2025
बुध	25/08/2026
केतु	31/12/2026
शुक्र	31/12/2027

	राशि	अंश
तुला		26:42:00
धनु		00:10:09
धनु		13:15:21
कुंभ		11:15:51
धनु		06:19:45
मिथु	व	18:53:24
वृश्चि	व	23:05:52
वृष	व	16:35:56
मिथु		03:15:49
धनु		03:15:49
मक		27:54:31
मक		13:02:46
वृश्चि		21:33:40

विंशोत्तरी
राहु 4वर्ष 2मा 8दि
शनि
10/06/2021
09/06/2040

शनि	12/06/2024
बुध	21/02/2027
केतु	31/03/2028
शुक्र	01/06/2031
सूर्य	13/05/2032
चन्द्र	12/12/2033
मंगल	21/01/2035
राहु	27/11/2037
गुरु	09/06/2040

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:46 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:11

लग्न-चलित

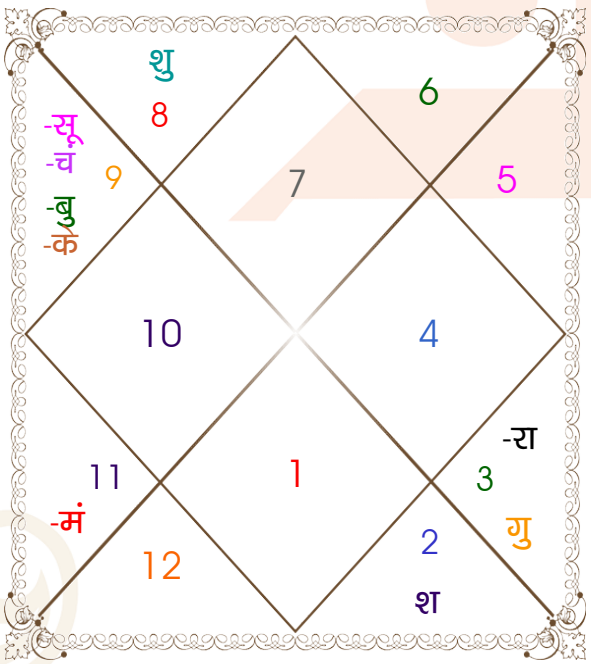

लग्न-चलित

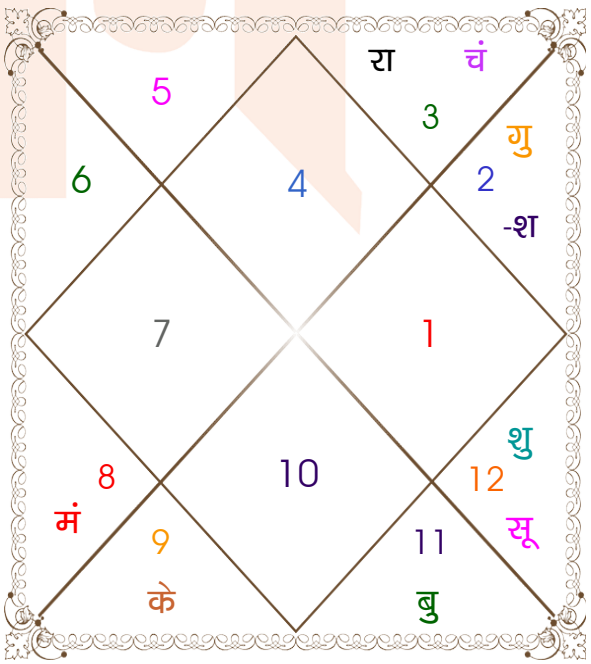

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

कुल : **16 / 36**

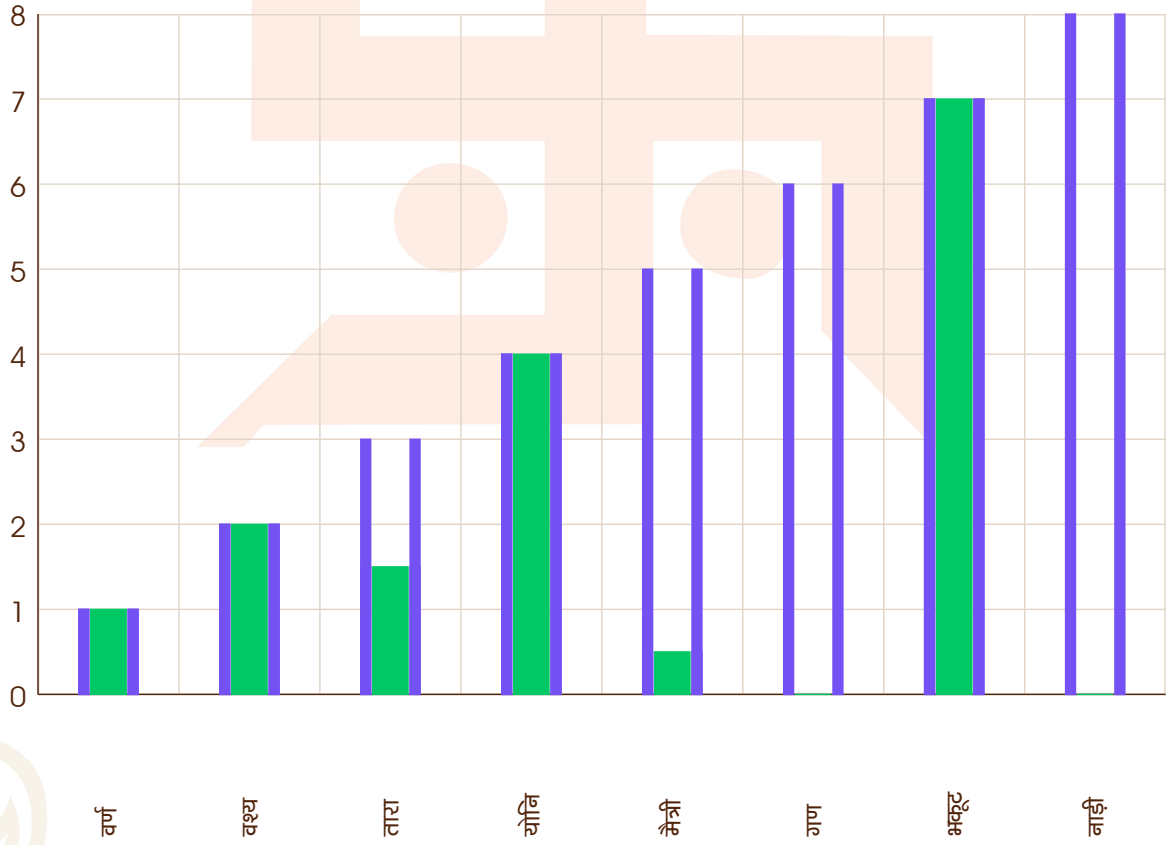

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.Kriti का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr.Tanmay का वर्ग मूषक है तथा Ms.Kriti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Tanmay और Ms.Kriti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Tanmay मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms.Kriti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr.Tanmay तथा Ms.Kriti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Tanmay का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.Kriti का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Ms.Kriti वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Mr.Tanmay से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

Mr.Tanmay का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.Kriti का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.Tanmay एवं Ms.Kriti दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.Tanmay की तारा प्रत्यरि तथा Ms.Kriti की तारा साधक है। Mr.Tanmay की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Mr.Tanmay कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms.Kriti को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Mr.Tanmay की योनि श्वान है तथा Ms.Kriti की योनि भी श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान

शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Tanmay का राशि स्वामी Ms.Kriti के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.Kriti का राशि स्वामी Mr.Tanmay के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.Tanmay का गण राक्षस है तथा Ms.Kriti का गण मनुष्य है। अर्थात Ms.Kriti का गण Mr.Tanmay के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr.Tanmay एवं Ms.Kriti की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Mr.Tanmay व Ms.Kriti को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Mr.Tanmay की नाड़ी आद्य है तथा Ms.Kriti की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Tanmay एवं Ms.Kriti दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Tanmay की राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Ms.Kriti की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। अग्नि तथा वायु में मित्रता के कारण Mr.Tanmay और Ms.Kriti की स्वभावगत विशेषताए समान होंगी फलतः संबंधों में मधुरता रहेगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.Tanmay की राशि का स्वामी गुरू तथा Ms.Kriti की राशि का स्वामी बुध परस्पर शत्रु एवं समराशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से Mr.Tanmay और Ms.Kriti के मध्य संबंधों में विशेष मधुरता नहीं होगी तथा विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वैवाहिक जीवन में अनावश्यक समस्याएं होंगी। वे एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा समर्पण के भाव में भी न्यूनता रहेगी तथा सुख दुख में एक दूसरे का कम ही सहयोग करेंगे। अतः Mr.Tanmay और Ms.Kriti का वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा।

Mr.Tanmay और Ms.Kriti की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना गया है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में कमी आएगी तथा परस्पर स्नेह के भाव में वृद्धि होगी। वे एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करके गुणों की प्रशंसा करेंगे। अतः परस्पर प्रेम एवं सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा एवं समय समय पर एक दूसरे की सहायता तथा सहयोग करने में तत्पर रहेंगे। इससे इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

Mr.Tanmay और Ms.Kriti दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.Tanmay का वश्य क्षत्रिय तथा Ms.Kriti का वश्य शूद्र है। अतः Mr.Tanmay की प्रवृति साहसिक तथा पराक्रमी कार्यो को करने में रहेगी परन्तु Ms.Kriti किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी। अतः कार्य क्षेत्र की सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Mr.Tanmay और Ms.Kriti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Tanmay और Ms.Kriti दोनों की आद्य नाड़ी है। अतः इसके प्रभाव से वे नाड़ी दोष से पीड़ित होंगे। यद्यपि मंगल का किसी के भी स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है तथापि इस दोष के प्रभाव से Mr.Tanmay और Ms.Kriti शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति कर सकते हैं। यदि ऐसी परिस्थिति में मिलान किया गया तो Ms.Kriti के प्रभाव से Mr.Tanmay का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसका दुष्प्रभाव Mr.Tanmay की अस्थियों पर विशेष होगा फलतः किसी अस्थि रोग से वे कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही पैर या घुटने पर प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थिति में मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Tanmay और Ms.Kriti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Tanmay और Ms.Kriti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Kriti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Kriti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Kriti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Tanmay और Ms.Kriti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Tanmay और Ms.Kriti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Kriti के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Ms.Kriti सास से

अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Ms.Kriti को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Ms.Kriti धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Ms.Kriti के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Ms.Kriti ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Mr.Tanmay के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.Tanmay अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.Tanmay के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.Tanmay के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।